CMS & ED PRASHIKSHAN SANSTHAN

LUCKNOW (U.P.)

Affiliated by – Indian Rural Medical Council (Delhi) Affiliation Code – IRMCCMS9941
Govern By – Gramin Swasthya Prerak Prashikshan Sansthan

(Community Medical Service & Essential Drugs)

CMS & ED

DIPLOMA COURSE

(Approved by Hon'bles Supreme Court of India & W.H.O.)

Education Type -
Distance/Regular
(Hindi Medium)

ONLINE
ADMISSION OPEN

SESSION 2022-23 BATCH -IInd
Eligibility: High School, Duration: 18 Months

AVAILABLE

ONLINE CLASSES & PROVIDE NOTE BOOKS FOR WORKING PROFESSIONALS

PROSPECTUS

www.cmseddelhi.in

भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायलय के निर्णय के अनुसार CMS&ED कोर्स करने के बाद भारत के किसी भी ग्रामीण क्षेत्र में प्राथमिक उपचार केंद्र में W.H.O. द्वारा प्रमाणित साधारण 42 एलोपैथिक दवाओ का उपयोग करते हुए प्राथमिक उपचारक के रूप में प्राथमिक चिकित्सा कर सकते है।

101/C, Sanjay Gandhi Puram, (Faizabad Road) Lucknow-226016

Phone: 0522-4958027 Mob: 9565600144, 7310000212
Website: www.cmseddelhi.in E-mail : luckcmsed@gmail.com

संस्थान का उद्देश्य

विश्व स्वास्थ्य संगठन (W.H.O.) कि अवधारणा के अनुसार प्रत्येक मनुष्य का स्वास्थ्य बनाए रखना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है किन्तु हमारे देश में ग्रामीण क्षेत्र में आकस्मिक होने वाली दुर्घटनाओ में दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को तत्काल प्राथमिक चिकित्सा नही मिलने के कारण उनकी मृत्यु हो जाती है अथवा गंभीर स्थितियों का सामना करना पड़ता है इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (W.H.O.) द्वारा सन् 1978 में ग्रामीण प्राथमिक उपचार को बेहतर बनाने के लिए CMS&ED (Community Medical Service & Essential Drugs) कोर्स के प्रशिक्षण हेतु अनुमोदन दिया गया एंव देश की माननीय सर्वोच्च न्यायलय (Suprime Court of India) के आदेश संख्या (152 of 1994 Decided- 14/02/2003) के क्रम में CMS&ED डिप्लोमा धारको को ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक उपचारक के रूप में प्राथमिक चिकित्सा देने हेतु महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किया गया है।

ग्रामीण क्षेत्र में CMS&ED डिप्लोमा कोर्स के महत्व को देखते हुए CMS&ED प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ द्वारा "इंडियन रूरल मेडिकल काउंसिल से सम्बद्ध (Code -IRMCCMS9941,Website-www.irmc.in) होकर विशेष सुविधा के साथ 1 $\frac{1}{2}$ वर्ष का CMS&ED डिप्लोमा कोर्स का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है जिसमें (W.H.O.) द्वारा अनुमोदित जरुरी 42 एलोपैथिक दवाएं एंव शारीरिक रचना विज्ञान, संचारी रोग, परजीवी रोग, स्त्री रोग, प्राथमिक चिकित्सा, औषधि विज्ञान आदि पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

संस्थान का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक इच्छुक शिक्षित युवक- युवती को प्रशिक्षित कर ग्रामीण क्षेत्रों में CMS&ED डिप्लोमा धारक को ग्रामीण प्राथमिक उपचारक के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित कर प्राथमिक उपचार के आभाव में होने वाली मृत्युदर एंव ग्रामीण क्षेत्रों मे स्वास्थ्य सम्बन्धि समस्याओ को कम करने हेतु कार्य कर रहे हैं जिससे ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाया जा सके।

भवदीय

(अंशु शर्मा)
उपनिदेशक
CMS&ED प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ
उत्तर प्रदेश

COMMUNITY MEDICAL SERVICE & ESSENTIAL DRUGS (CMS&ED)

डिप्लोमा कोर्स से सम्बन्धित आवश्यक जानकारियाँ

➢ CMS&ED डिप्लोमा कोर्स क्या है?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (W.H.O.) की अवधारणा के अनुसार प्रत्येक मनुष्य का स्वास्थ्य बनायें रखना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है किन्तु हमारे देश में ग्रामीण क्षेत्र में आकस्मिक होने वाली दुर्घटनाओं में दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति तथा अचानक बिमार व्यक्ति को तत्काल प्राथमिक चिकित्सा नही मिलने के कारण उनकी मृत्यु हो जाती है, अथवा गम्भीर स्थितियों का सामना करना पड़ता है इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (W.H.O.) द्वारा 1978 में ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक उपचार को बेहतर बनाने के लिए **(CMS&ED) (Community Medical Service & Essential Drugs)** डिप्लोमा कोर्स के प्रशिक्षण हेतु अनुमोदन दिया गया एंव देश की **माननीय सर्वोच्च न्यायलय (Suprime Court of India)** के **आदेश संख्या (152 of 1994 Decided- 14/02/2003)** के क्रम में CMS&ED डिप्लोमा धारकों को ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक उपचारक के रुप में प्राथमिक चिकित्सा देने हेतु महत्वपूर्ण दिशा- निर्देश जारी किया गया है।

CMS&ED डिप्लोमा धारक **विश्व स्वास्थ संगठन (W.H.O)** द्वारा अनुमोदित एलोपैथिक की 42 मेडिसिन का उपयोग करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक उपचार कर सकतें हैं।

➢ CMS & ED डिप्लोमा का पूरा नाम क्या है?

cms&ed का फुल फार्म होता है "Community Medical Service and Essential Drugs" जिसे हिन्दी में "संचार चिकित्सा सेवा और आवश्यक दवा" कहतें हैं।

➢ CMS&ED डिप्लोमा कोर्स करने के लिए योग्यता

- CMS&ED डिप्लोमा कोर्स करने के लिए छात्र को हाईस्कूल पास होना चाहिए। यदि आप सांइस स्ट्रीम (जीव विज्ञान) से 12वी पास कियें हैं तो आपके लिए ज्यादा फायदेंमद होता हैं।
- यदि आपने किसी प्रकार की डिग्री **(मेडिकल से संबन्धित्त)** हासिल की है, या फिर आप मेडिकल प्रोफेशनल है और ऐलोपैथिक मेडिसिन से प्रैक्टिस करना चाहतें हैं तो भी इस कोर्स को कर सकतें हैं।
- CMS&ED डिप्लोमा कोर्स को करने के लिए आयु सीमा निर्धारित नही है। आप इस कोर्स को करके ग्रामीण क्षेत्र में प्राइमरी हेल्थ केयर सेंटर खोलकर करियर की शुरुआत कर सकतें हैं।

➢ CMS&ED डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लेने हेतु आवश्यक दस्तावेज

- हाइस्कूल का अंकपत्र व प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति जमा करें।
- आधार कार्ड की फोटोकॉपी जमा करें। (स्वप्रमाणित छायाप्रति)
- पासपोर्ट साइज की दो कलर फोटो जमा करें।
- यदि कोई डिग्री/डिप्लोमा **(मेडिकल से संबन्धित्त)** पहले से मौजुद हो तो उसकी स्वप्रमाणित छायाप्रति जमा करें।

➢ CMS&ED डिप्लोमा कोर्से की फीस (1 अप्रैल 2022 से)

MONTHLY INSTALLMENT

REG/ADMISSION	1750/-
I-CARD	250/-
MONTHLY	1200/-माह
EXAM	1500/-परीक्षा
TOTAL FEE	26600/-

THREE INSTALLMENT FEES

FIRST INSTALLMENT (ADMISSION TIME)	7600/-
SECOND INSTALLMENT (SIXTH MONTH)	7600/-
THIRD INSTALLMENT (TWELTH MONTH)	7600/-
TOTAL FEES	22800/-

ONE TIME FEES

TOTAL FEES (ADMISSION TIME)	20400/-

➢ फीस जमा करने का विवरण

यदि आप ऑनलाइन फीस जमा करना चाहतें हैं तो संस्थान के ACCOUNT NO-50100202310814 IFSC CODE- HDFC0004419 पर IMPS , NEFT , RTGS कर सकतें हैं।
यदि आप ऑफ लाइन फीस जमा करना चाहतें हैं तो संस्थान के कार्यालय पर आकर नगद फीस जमा कर सकतें हैं।

➢ CMS&ED डिप्लोमा कोर्स की अवधि

CMS&ED डिप्लोमा कोर्स की अवधि 18 माह यानि 1 $\frac{1}{2}$ वर्ष की होती है।
Community Medical Service (One Year) & Essentional Drugs (6th Month) Complete 18 Month

- 6 माह से 1 वर्ष तक किसी पंजीकृत M.B.B.S. चिकित्सक के साथ कार्य करने का अनुभव लेना होगा।

➢ CMS&ED कोर्स में प्रशिक्षण ले रहे छात्र/छात्राओं को संस्थान द्वारा कैसे पढ़ाया जाता है ?

- ऑनलाइन/ऑफलाइन क्लास दी जाती है|
- संस्थान द्वारा हर माह नोट्स बुक रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से सभी छात्र/छात्राओं के पते पर भेजे जाते है|
- अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के रजिस्टर्ड वाट्सप न० पर प्रतिदिन विभिन्न प्रकार की बिमारियों से सम्बंधित जानकरी दी जाती है|

➢ CMS&ED डिप्लोमा कोर्स में कौन-कौन से विषय पढ़ाये जातें है?

CMS (Community Medical Service) One Year

- Anatomy (मानव शरीर रचना)
- Physiology (शरीर क्रिया विज्ञान)
- Pathology, Pharmacology (ऊतक विकृति विज्ञान, औषध विज्ञान)
- Psychology & Sociology (मनोविज्ञान, सामाजशास्त्र)
- Public Health & Epidemiology (सार्वजनिक स्वास्थ्य एंव महावारी विज्ञान)
- Communicable Disease (संचारि रोग)
- National Health Problems (राष्ट्रीय स्वास्थ्य समस्याएं)
- Common Ailments (सामान्य रोग)
- First Aid (प्राथमिक चिकित्सा)
- Environmental Health (पर्यावरणीय स्वास्थ्य)
- Special Health Progrrames (विशेष स्वास्थ्य कार्यक्रम)
- Patient Care & Home Nursing (पेसेन्ट केयर एंड होम नर्सिंग)
- Social & Preventive Medicine (सामाजिक और निवारक चिकित्सा)
- Basic Medicine (बेसिक मेडिसिन)
- Elementry Obestetrics & Gynaecology (प्रारम्भिक प्रसूति और स्त्री रोग)

➢ ED (Essentional Drugs) 6th Month

- Medical jurisprudence (चिकित्सा न्यायशास्त्र)
- Elements of Surgery (शल्य चिकित्सा के तत्व)
- Practice of Medicine (प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन)
- Primary Health Care (प्रारम्भिक स्वास्थ्य देखभाल)

प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार हेतु "विश्व[04]स्वास्थ्य संगठन" (W.H.O.) द्वारा

1. ANTACID	2. ANTIHAEMORRHOIDAL
3. ASPIRIN TABLET	4. WHIFIELD OINTMENT
5. BENZYL BENZOATE LOTION	6. CALAT -NINE LOTION
7. ACTIVATED CHARCOAL	8. CHLOROQUINE TABLET
9. CHLOPHENIRAMINE	10.CENTRIMIDE & CHLORHEXIDINE
11. ORAL PILLS	12. FERROUS SULPHATE
13. FOLIC ACID	14. GENTION VIOLET SOLUTION
15. GLYCERINE SUPPOSITORY	16. IODISED SALT
17. LYSOL SOLUTION	18. MAGNESIUM TRISILICATE/ ALURN. HYDROXIDE
19. MEBENDOZOL TABLET	20. ORAL REHYDRATION SALT
21. PARACETAMOL TABLETS & SYRUP	22. PHENOXY MENTHYL PENCILIN TABLET / AMOXACILIN / AMPICILIN
23. SIMPLE COUGH CINCTUS	24. TETRACYCLINE EYE OINTMENT
25. VITAMIN A	26. VITAMIN C
27. ATROPINE	28. EPHIDRIENE
29. ERGOMETRINE	30. PROVIDONE – IODINE
31. LINDANE	32. PIPERAZINE
33. CODIENE	34. CO-TRIMAZOLE
35. ISPAGHULA	36. METRONIDAZOLA
37. PRIMAQUINE	38. SODIUM BICARBONATE (BAKING [05]SODA)
39. SENNA	40. SULPHADIMIDINE
41. VITAMIN B COMPLEX	42. VITAMIN D

स्वीकृत एलोपैथिक दवाओं की सूची -

- इस प्रकार **CMS&ED** डिप्लोमा कोर्स में **18** माह में इन विषयों को पढ़ाया जाता है। तथा इस कोर्स के दौरान आपको विभिन्न बिमारियों के बारें में भी पढ़ाया जाता है, तथा उनकी रोकथाम बचाव एंव उपचार के बारे में भी जानकारी दी जाती है।

नोट: सभी विषय हिन्दी माध्यम् से पढ़ायें जाते हैं।

➢ CMS&ED डिप्लोमा कोर्स में कितनी बार परीक्षा देनी होती है ?

CMS&ED डिप्लोमा कोर्स में दो बार परीक्षा देनी होती है। पहली परीक्षा CMS (Community Medical Service) की व दुसरी परीक्षा ED (Essentional Drugs) की होगी।

➢ CMS (Community Medical Service) After 12th Month (परीक्षा पेपर)

- **Anatomy & Physiology**
- **Pathology**
- **Health & Hygiene**
- **Obstetrics & Gynaecology**
- **Practical – 1**
- **Practical – 2**
- **Practical – 3**
- **Practical – 4**

➢ ED (Essentional Drugs) After 18th

- **Medical Jurisprudence**
- **Practice of Medicine**
- **Primary Health Care**
- **Practical – 1**
- **Practical – 2**
- **Practical – 3**

➢ CMS&ED डिप्लोमा कोर्स करने के साथ अन्य कौन से कोर्स कर सकतें हैं?

यह बहुत ही कॉमन प्रश्न है कि क्या हम CMS&ED डिप्लोमा कोर्स करने के साथ ही अन्य कोर्स भी कर सकतें हैं तो आपको बता दें कि यदि आप CMS&ED कोर्स को डिस्टेन्स लर्निंग यानी पत्राचार से कर रहें तों आप इस कोर्स को करने के साथ-साथ अन्य कोर्स या जॉब भी कर सकतें हैं। लेकिन यदि आप रेगुलर बेसिस पर ये कोर्स कर रहें हैं तो इसके साथ अन्य कोर्स व जॉब नही कर सकतें हैं।

➢ क्या हम CMS&ED डिप्लोमा कोर्स करने के बाद अपने नाम के साथ डॉक्टर लिख सकतें हैं ?

CMS&ED कोर्स एक डिप्लोमा कोर्स है। इस कोर्स को करने के बाद आपको डिप्लोमा सर्टिफिकेट दिया जाता है। CMS&ED डिप्लोमा धारक अपने नाम के आगे डॉक्टर नही लिख सकता है,

➢ CMS&ED डिप्लोमा धारक अपने नाम के साथ क्या लिख सकता है?

CMS&ED डिप्लोमा धारक अपने नाम के साथ प्राथमिक उपचारक (First Aid Provider) लिख सकता है।

➢ CMS & Ed डिप्लोमा धारक को (C.M.O.) मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्रेशन कराने की आवश्यकता है या नही ?

CMS & Ed डिप्लोमा कोर्स करने के बाद आप अपने जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कराकर ग्रामीण क्षेत्र में W.H.O. (विश्व स्वास्थ्य संगठन) द्वारा निर्धारित 42 एलोपैथिक दवाइयों का उपयोग करते हुए प्राथमिक उपचार कर सकते हैं।

➢ CMS&ED डिप्लोमा धारक को प्राथमिक उपचार केन्द्र कहाँ संचालित करना चाहिए?

W.H.O (विश्व स्वास्थ्य संगठन) के अनुसार CMS&ED डिप्लोमा धारक को देश के ग्रामीण क्षेत्र में एक ऐसे स्थान का चुनाव करना चाहिए जहाँ पर स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव हो तथा आवागमन की सुचारु व्यवस्था न हो।

➢ ग्रामीण प्राथमिक उपचार केन्द्र में CMS&ED डिप्लोमा धारक (Rural First Aid Provider) का क्या कार्य है?

CMS&ED डिप्लोमा धारक ग्रामीण प्राथमिक उपचार केन्द्र पर संचारी एवं गैर संचारी बिमारियाँ तथा अन्य स्वास्थ्य सम्बन्धित समस्याये जैसें मलेरिया, टायफायड हैजा, कालरा, डायरिया, डिसेन्ट्री, खसरा, चेचक, काली खाँसी, पीलिया, निमोनिया, टी.बी., फाइलेरिया, पोलियों, शुगर, गलसुआ, एनीमिया, मधुमेह, ब्लड प्रेशर (रक्त चाप), सर्दी जुकाम, मौसमी बुखार, कुपोषण, फोड़ा-फुन्सी, घाव, चोट, जलना, सड़क दुर्घटना, पानी में डुबना, सर्प दंस, कुत्ते एंव अन्य जानवर के काटने से होने वाली बिमारियाँ जैसे- रेबीज आदि किशोरा अवस्था में होने वाली समस्या, वृद्धावस्था में होने वाली समस्या, गर्भावस्था में होने वाली समस्या, स्तनपान कराने वाली स्त्रियों को होने वाली समस्या, जनन रोग, मानसिक रोग, जनसंख्या वृद्धि की समस्या, नशा जनित रोग, रोग प्रतिरोधक क्षमता की कमी आदि बिमारियों का प्राथमिक स्तर पर पहचान, बचाव एंव रोकथाम हेतु कार्य करना। भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में संचालित जनकल्याणकारी योजना जैसे- मिशन इन्द्रधनुष टिकाकरण, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम आदि योजनाओं का लाभ आम-जन तक पहुँचाने में सहयोग करना तथा किसी अचानक बिमार एंव दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति का **W.H.O. द्वारा निर्धारित 42 एलोपैथिक दवाओं** का उपयोग करतें हुए प्राथमिक उपचार करना।

➢ CMS&ED डिप्लोमा धारक (Rural First aid Provider) की ग्रामीण क्षेत्र में प्रमुख भूमिका क्या है?

- संचारी रोग जैसे- मलेरिया, टाय़फायड, डायरिया, डिसेन्ट्री, हैजा, चेचक, खसरा, टी.बी.,पेचिस आदि संक्रामक बिमारियों की उचित समय पर पहचान, निदान न हो पाने के कारण महामारी का रुप ले लेती है। ऐसी बिमारियों का प्राथमिक स्तर पर पहचान, निदान, रोकथाम एंव बचाव हेतु कार्य करना जिससे बिमारियों को महामारी का रुप लेने से पहलें ही रोका जा सकें।
- ग्रामीण क्षेत्रों में अचानक से किसी दुर्घटना के कारण पीड़ित व्यक्ति का A.B.C. नियम का पालन करतें हुए प्राथमिक स्तर पर प्राथमिक चिकित्सा देते हुए उनकी शरीरिक क्षतियों एंव तकलीफो को कम करने हेतु कार्य करना।
- भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों मे स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने हेतु दी जा रही सुविधाओ का लाभ आम-जन तक पहुँचाने हेतु कार्य करना।
- एंटीबायोटिक्स दवाइयों के बिना चिकित्सक परामर्श से सेवन करने पर होने वाले दुष्प्रभावों के बारें में आम-जन को जानकारी देना।
- ग्रामीण समुदाय Rural Community में विभिन्न स्वास्थ्य सम्बन्धी बिमारियाँ/समस्याएं जैसे- पेट में मरोड़, रक्तश्राव, बच्चो में फ्लू, बुखार, खाँसी, बलगम में खून आना, चक्कर आना, सर्दी जुकाम, थकान, बेहोश होना, फ़ूड पोइस्निंग, सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, दर्द, जहर विषक्ता, सर्प दंस, उल्टी होना, साँस लेने में कठिनाई, डूबना, दस्त, पेट में जलन, नासूर, दम घुटना, बिजली का झटका लगना, सिर की चोट, अचानक दुर्घटना, पेचिस, दिल का दौरा आदि जैसी विभिन्न बिमारियाँ/सम्स्याओं का प्राथमिक स्तर पर पहचान, निदान, बचाव एंव रोकथाम, नही होने के कारण ये गम्भीर रुप ले लेती है और आगे चलकर यह बिमारी लाइलाज अथवा जानलेवा साबित होती है। CMS&ED डिप्लोमा धारक (Rural First aid Provider) के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली इस प्रकार की विभिन्न बिमारियों/समस्याओं को प्राथमिक स्तर पर पहचान, निदान, रोकथाम एंव बचाव किया जा सकता है। जिससे ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाया जा सकें।

➢ क्या CMS&ED डिप्लोमा धारक अपने प्राथमिक उपचार केन्द्र पर फ्लैक्स बोर्ड लगा सकता है?

जी हाँ CMS&ED डिप्लोमा धारक अपने प्राथमिक उपचार केन्द्र पर नीचे दिये गये माँडल फ्लैक्स बोर्ड की तरह का साइन बोर्ड लगा सकतें हैं।

➢ क्या CMS&ED डिप्लोमा धारक यूनिफार्म पहन सकता है?

जी हाँ CMS&ED डिप्लोमा धारक नीचे दी गयी लोगो लगी हुई यूनीफार्म पहन सकता हैं। जिससे ग्रामीण प्राथमिक उपचारक के रुप में उसकी पहचान सुनिश्चित हो सकें।